सम्पादकीय

जल संरक्षण का संदेश

1100 करोड़ क्यूबिक मीटर पानी बचाने में सफलता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में जल संरक्षण पर जोर देकर देश की जनता को उपयुक्त समय पर एक सही संदेश देने का काम किया। ऐसा करते हुए उन्होंने यह जो जानकारी दी कि पिछले सात-आठ वर्षों में जल संरक्षण के विभिन्न उपायों के जरिये 1100 करोड़ क्यूबिक मीटर पानी बचाने में सफलता मिली, वह लोगों को उत्साहित करने और पानी की महत्ता को समझने के लिए प्रेरित करने वाली है।

नि:संदेह यह किसी उपलब्धि से कम नहीं कि जल संरक्षण के उपायों के जरिये बड़ी मात्रा में पानी बचाने में सफलता मिली है और प्रधानमंत्री ने इसका उल्लेख इसलिए किया, क्योंकि उनकी सरकार ने जल संरक्षण के लिए नीतिगत स्तर पर कुछ उल्लेखनीय कार्य किए हैं, लेकिन अभी इस दिशा में बहुत कुछ करने की आवश्यकता है।

इस आवश्यकता की पूर्ति सरकारों, समाजसेवी संस्थाओं और साथ ही आम जनता की ओर से अपने स्तर पर इसलिए की जानी चाहिए, क्योंकि अपने देश में पानी को बचाने के वैसे उपाय नहीं किए जा रहे हैं जैसे आवश्यक हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि वर्षा ऋतु में बहुत सा जल बेकार चला जाता है।

सरकार और समाज की कोशिश यह होनी चाहिए कि वर्षा जल का अधिकाधिक संग्रह किया जा सके, क्योंकि भारत उन देशों में प्रमुख है जहां जल संकट सिर उठाता दिख रहा है। जल संरक्षण के प्रयासों को कितनी गंभीरता से लेने की आवश्यकता है, इसे इससे समझा जा सकता है कि भारत में दुनिया की 17 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है, जबकि उसके उपयोग के लिए उपलब्ध जल चार प्रतिशत से भी कम है।

जल संरक्षण के तहत केवल वर्षा जल को सहेजने का ही काम नहीं होना चाहिए, बल्कि अन्य उपायों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। उदाहरणस्वरूप तालाबों का अधिकाधिक निर्माण किया जाए और परंपरागत जल स्रोतों को दूषित होने से बचाया जाए। इसके अतिरिक्त उन उपायों को प्राथमिकता के आधार पर अपनाया जाए जिनसे घरेलू कार्यों, औद्योगिक गतिविधियों और खेती में पानी की खपत को कम किया जा सके।

अभी सीमित स्तर पर ही ऐसे उपाय अपनाए गए हैं। इसी कारण न केवल खेती में आवश्यकता से अधिक पानी का उपयोग हो रहा है, बल्कि औद्योगिक गतिविधियों में भी। स्पष्ट है कि जल संरक्षण की चिंता पूरे वर्ष की जानी चाहिए।

यह अच्छी बात है कि जलशक्ति मंत्रालय की ओर से जल संरक्षण के विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, लेकिन अभीष्ट की प्राप्ति तब होगी जब हर कोई अपने स्तर पर जल संरक्षण के उपायों को अपनाने में तत्परता का परिचय देगा। जल संरक्षण का काम केवल सरकार और उसकी एजेंसियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। यह सबकी साझा जिम्मेदारी है और इसका निर्वहन इसी रूप में होना चाहिए।

संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की जयंती पर विशेष

इतिहास पुरुष डॉक्टर साहब

डॉ. हेडगेवार का प्रारंभिक जीवन संघर्षों से भरा रहा। बाल्यकाल में ही उन्होंने ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों को समझ लिया था। प्रारंभिक शिक्षा नागपुर में प्राप्त करने के बाद, वे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज से डॉक्टरी की पढ़ाई करने गए। वहाँ उन्होंने क्रांतिकारी गतिविधियों में हिस्सा लिया और अंग्रेजों के विरुद्ध सशस्त्र क्रांति के विचारों को अपनाया। लेकिन आगे चलकर उन्होंने यह महसूस किया कि केवल सशस्त्र क्रांति से स्वतंत्रता प्राप्त करना और राष्ट्र को संगठित करना संभव नहीं है। इसीलिए उन्होंने एक सामाजिक और सांस्कृतिक आंदोलन की नींव रखी, जो बाद में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रूप में स्थापित हुआ।

■ मुरारी गुप्ता

क्या कोई कल्पना कर सकता है कि आज से सौ वर्ष पहले महज पांच छह बाल स्वयंसेवकों से शुरू हुआ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज दुनिया का सबसे बड़ा गैर सरकारी संगठन है। दुनियाभर में अलग अलग नामों से इसकी संस्थाएं हैं, जो समाज, राष्ट्र और संस्कृति के संरक्षण और उत्थान के लिए काम कर रही हैं। संगठित समाज ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। इसी ध्येय को लेकर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने संघ की स्थापना की थी। वर्ष प्रतिपदा पर एक अप्रेल 1889 को महाराष्ट्र के नागपुर में जन्मे डॉ. हेडगेवार एक प्रखर राष्ट्रवादी, स्वतंत्रता सेनानी और कुशल संगठनकर्ता थे। उन्होंने 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की, जिसका उद्देश्य भारत को एक संगठित, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना था। उनका जीवन पूरी तरह से राष्ट्र सेवा और समाज सुधार के लिए समर्पित था। डॉ. हेडगेवार का प्रारंभिक जीवन संघर्षों से भरा रहा। बाल्यकाल में ही उन्होंने ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों को समझ लिया था। प्रारंभिक शिक्षा नागपुर में प्राप्त करने के बाद, वे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज से डॉक्टरी की पढ़ाई करने गए। वहाँ उन्होंने क्रांतिकारी गतिविधियों में हिस्सा लिया और अंग्रेजों के विरुद्ध सशस्त्र क्रांति के विचारों को अपनाया। लेकिन आगे चलकर उन्होंने यह महसूस किया कि केवल सशस्त्र क्रांति से स्वतंत्रता प्राप्त करना और राष्ट्र को संगठित करना संभव नहीं है। इसीलिए उन्होंने एक सामाजिक और सांस्कृतिक आंदोलन की नींव रखी, जो बाद में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रूप में स्थापित हुआ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना : संघ की स्थापना 27 सितंबर 1925 को विजयादशमी के दिन नागपुर में हुई। हेडगेवार ने महसूस किया कि भारतीय समाज बिखरा हुआ है और आत्मसम्मान की कमी के कारण गुलामी की स्थिति में है। उन्होंने एक ऐसे संगठन की आवश्यकता को महसूस किया जो समाज को एकजुट कर सके, अनुशासन सिखा सके और राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार कर सके। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मूल उद्देश्य भारत को एक संगठित, सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना था। संघ की कार्यप्रणाली अनुशासन, स्व-निर्माण और सेवा पर आधारित थी। संघ की शाखाओं में स्वयंसेवकों को शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक रूप से तैयार किया जाता था ताकि वे समाज के हर क्षेत्र में योगदान दे सके।

स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका : यद्यपि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कोई प्रत्यक्ष राजनीतिक उद्देश्य नहीं था, लेकिन डॉ. हेडगेवार ने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से भी जुड़े रहे, लेकिन यह महसूस किया कि सिर्फ राजनीतिक आंदोलनों से भारत की स्वतंत्रता और समाज का पुनर्निर्माण संभव नहीं होगा। उन्होंने 1905 के बंग-भंग आंदोलन और 1920 के असहयोग आंदोलन में भाग लिया। उन्होंने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ क्रांतिकारी गतिविधियों में भी हिस्सा लिया और कई बार जेल गए। संघ ने भारत छोड़ो आंदोलन (1942) के दौरान भी कई स्थानों पर सहयोग किया। उस समय संघ के स्वयंसेवकों को एक प्रतिज्ञा लेनी होती थी-

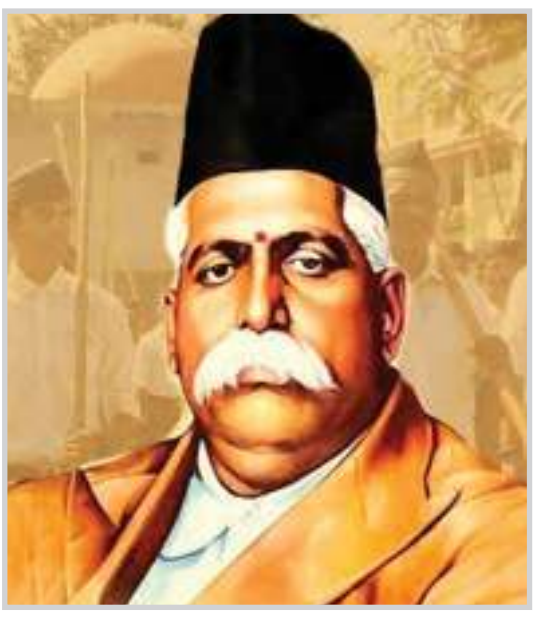

'मैं अपने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए तन-मन-धन पूर्वक आजन्म और प्रमाणिकता से प्रयत्नरत रहने का संकल्प लेता हूं।' डॉक्टर हेडगेवार ने घोषणा की-'हमारा उद्देश्य हिन्दू राष्ट्र की पूर्ण स्वतंत्रता है, संघ का निर्माण इसी महान लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए हुआ है।' जब कांग्रेस ने अपने लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वाधीनता का प्रस्ताव पारित किया तो डॉक्टर हेडगेवार ने संघ की सभी शाखाओं पर 26 जनवरी 1930 को सायंकाल 6 बजे स्वतंत्रता दिवस मनाने का आदेश दिया। सभी शाखाओं के स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश पहनकर नगरों में पथ संचलन निकाले और स्वतंत्रता संग्राम में बढ़चढ़कर भाग लेने की प्रतिज्ञा दोहराई। गौरतलब है कि संघ ऐसी पहली संस्था थी जिसने सबसे पहले पूर्ण स्वतंत्रता का उद्देश्य रखा था।

1930 से पहले पूर्ण स्वतंत्रता का नाम तक नहीं लिया गया था। डॉक्टर हेडगेवार ने महात्मा गांधी के सभी सत्याग्रहों और आंदोलनों में स्वयंसेवकों को भाग लेने की अनुमति दी। महात्मा गांधी के नेतृत्व में आयोजित हुए असहयोग आंदोलन में स्वयं डॉक्टर हेडगेवार ने छह हजार से अधिक स्वयंसेवकों के साथ 'जंगल सत्याग्रह' किया था। इसके लिए उन्हें नौ मास के सश्रम कारावास की सजा हुई थी। इसी प्रकार 1942 में महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में सम्पन्न हुए 'अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन' में संघ के स्वयंसेवकों ने अपने सरसंघचालक श्री गुरुजी गोलवलकर के आदेशानुसार हजारों की संख्या में भाग लिया था।

हिंदू संगठन की संकल्पना : डॉ. हेडगेवार का मानना था कि भारत की आत्मा उसकी हिंदू संस्कृति में बसती है। वे किसी भी जाति या संप्रदाय के खिलाफ नहीं थे, बल्कि उनका उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करके राष्ट्र को सशक्त बनाना था। उनका विचार था कि यदि हिंदू समाज एकजुट और संगठित होगा, तो वह पूरे राष्ट्र को सशक्त बनाने में सक्षम होगा। उन्होंने हिंदू समाज में फैले जातिवाद, आपसी भेदभाव और कमजोर आत्मविश्वास को दूर करने के लिए संघ को एक माध्यम बनाया। संघ का यह विचार था कि भारत को पुन: 'विश्व गुरु' के रूप में स्थापित करने के लिए भारतीय संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को पुनर्जीवित करना आवश्यक है।

राष्ट्र निर्माण में संघ : संघ ने स्वतंत्रता के बाद भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आपदा प्रबंधन और सेवा में संघ ने प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, भूकंप, महामारी आदि में सेवा कार्य किए। इसी तरह शिक्षा और संस्कार संघ ने कई शिक्षण संस्थानों की स्थापना की, जो भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। संघ ने भारतीय संस्कृति, भाषा और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सामाजिक समरसता के माध्यम से संघ समाज में जातिवाद और छुआछूत को मिटाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। संघ युवाओं में अनुशासन, शारीरिक शिक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा की भावना विकसित करने का कार्य किया। डॉ. हेडगेवार का योगदान केवल स्वतंत्रता संग्राम तक सीमित नहीं था, बल्कि उनके विचार और संगठन शक्ति ने भारतीय समाज पर अमिट छाप छोड़ी है। उनके प्रयासों से भारत में एक मजबूत और राष्ट्रवादी विचारधारा का विकास हुआ, जो आज भी समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपना प्रभाव बना रही है।

(लेखक डीडी न्यूज में संपादक हैं)

देश/प्रदेश

रास्ता खोलो अभियान : साबित हो रहा गांवों के लिए वरदान

जिला प्रशासन ने आसान की 863 राहें, विगत एक सप्ताह में 63 रास्ते खुलवाए

मॉर्निंग न्यूज @ जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर जयपुर जिले में संचालित रास्ता खालो अभियान अब ग्रामीणों के लिए वरदान बनता जा रहा है। फागी के लसाड़िया पंचायत के गडूड़ा से चकवाड़ा तक की दूरी 10 किलोमीटर कम हुई तो करीब 5 हजार ग्रामीणों की राह आसान हो गई। प्रशासन ने ना केवल 30 साल पुराना रास्ता खुलवाया बल्कि इस रास्ते पर ग्रेवल सड़क बनाने का भी काम जारी है। अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अभियान की नोडल अधिकारी देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में प्रत्येक तहसील में हर सप्ताह 3 रास्ते खुलवाए जा रहे हैं। रास्ता खोलो अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं अधिक से अधिक आमजन को लाभांवित करने के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं अभियान की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के

तहत विगत एक सप्ताह में जयपुर जिले के समस्त तहसीलों में बरसों से बंद 63 रास्ते खुलवाए गए। अभियान के तहत जिला प्रशासन ने समझाइश एवं सहमति से महज साढ़े 4 महीनों में गांवों, खेतों और ढाणियों के बरसों से बंद पड़े 863 रास्ते खुलवाने में कामयाबी हासिल की है। नोडल अधिकारी देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि 15 नवंबर 2024 से 28 मार्च 2025 तक अभियान के तहत जिले में फागी तहसील में सर्वाधिक 70 रास्ते खुलवाए गए हैं, जिनमें से 40 रास्तों पर ग्रेवल सड़क बनाये जाने का कार्य जारी है। वहीं, 2 रास्तों पर ब्लॉक सड़क का निमार्ण कार्य जारी है।

वहीं, अभियान के तहत जयपुर तहसील में 4 रास्ते, कालवाड़ तहसील में 8 रास्ते, आमेर तहसील में 56 रास्ते, जमवारामगढ़ तहसील में 38 रास्ते, आंधी तहसील में 34 रास्ते, बस्सी तहसील में 41 रास्ते, तूंगा तहसील में 39 रास्ते खुलवाए गए। वहीं, शाहपुरा तहसील में 56 रास्ते, जोबनेर तहसील में 55 रास्ते, किशनगढ़-रेनवाल तहसील में 45 रास्ते, फुलेरा तहसील में 49 रास्ते, रामपुरा-डाबड़ी तहसील में 32 रास्ते, जालसू तहसील में 26 रास्ते, चौमूं तहसील में 56 रास्ते, सांगानेर तहसील में 21 रास्ते खुलवाए गए। उन्होंने ने बताया कि चाकसू तहसील में 51, कोटखावदा तहसील में 33 रास्ते, माधोराजपुरा तहसील में 46 रास्ते, दूदू तहसील में 49 एवं मौजमाबाद तहसील में 54 रास्ते खुलवाए गए।

फर्जी दस्तावेजों से जमीन हड़पने वाला शातिर बदमाश गिरफ्तार

मॉर्निंग न्यूज @ जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के मौजमाबाद थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते मृत व्यक्ति के नाम से जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन हड़पने वाले शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। बताया जा रहा है शातिर बदमाश ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन हड़पने के लिए उन्हे न्यायालय में पेश किए थे, लेकिन दस्तावेज फर्जी होने के सत्यापन के बाद से ही आरोपी डेढ़ वर्ष से फरार चल रहा था। उप महानिरीक्षक (जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक) आनन्द शर्मा ने बताया कि 9 नवंबर 23 को समस्त अधिकारियों को एक वर्ष से अधिक लंबित पुराने प्रकरणों के निस्तारण के लिए सख्त निर्देश दिए गए थे। जिसमें परिवादिया कमला पत्नी भंवरलाल सवाईमानसिंहपुरा निवासी का एक वर्ष पुराना इस्तगासा पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी रामअवतार (55) पुत्र रामकरण जाट, निवासी अमरपुरा तन, श्रीरामपुरा, मौजमाबाद को गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि रामअवतार जाट ने मृतक भंवर लाल जाट के फर्जी हस्ताक्षर कर 4 लाख 70 हजार रुपए का लेने-देन के कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उसकी जमीन हड़पने के लिए न्यायालय में रजिस्ट्री का दावा पेश किया था। इसके खिलाफ मृतक की पत्नी कमला ने इस्तगासा पेश किया। इस्तगासे के आधार पर अनुसंधान शुरू किया गया। जिसके बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था।

चोरी किए गए ट्रैक्टर-ट्रॉली को खरीदने वाले एक खरीदार को पकड़ा

मॉर्निंग न्यूज @ जयपुर। सांगानेर सदर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर दक्षिण (डीएसटी) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चोरी किए गए ट्रैक्टर-ट्रॉली को खरीदने वाले एक खरीदार को पकड़ा है और उसके पास से ट्रैक्टर-ट्रॉली बरामद किया है। फिलहाल आरोपी खरीदार से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि सांगानेर सदर थाना पुलिस और दक्षिण (डीएसटी) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 10 दिसंबर 2024 के चोरी किए ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर खरीदार हेमराज मीणा निवासी बाटोदा जिला सवाई माधोपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर ट्रेक्टर-ट्राली चोरी के बारे में जानकारी कर रही है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने विभिन्न धार्मिक संस्थानों के कार्यक्रमों का किया पोस्टर विमोचन

मॉर्निंग न्यूज @ जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न धार्मिक संस्थानों द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन किया। सीएम शर्मा से महामण्डलेश्वर मनोहरदास महाराज ने मुलाकात की। इस दौरान 6 से 12 अप्रैल तक आयोजित होने वाले सप्तदिवसीय हनुमत् जन्मोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया गया। मुख्यमंत्री ने 10 अप्रैल को महावीर जयंती के अवसर पर राजस्थान जैन सभा द्वारा आयोजित होने वाली %एक जुलूस एक हम, आओ करे महावीर वन्दन शोभायात्रा तथा

श्रीबड़ के बालाजी के 88वें वार्षिक मेले के पोस्टर का विमोचन भी किया।

इस दौरान इन संगठनों ने अपने कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा मुख्यमंत्री को कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए संगठनों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध हथियार के साथ एक बदमाश चढ़ा पुलिस के हत्थे

मॉर्निंग न्यूज @ जयपुर

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने जयपुर कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन' (आग) तहत खोह नागोरियान थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार सहित एक बदमाश को गिरफ्तार किया गया है, जिसके पास से एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस जब्त किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) कुन्दन कंवारिया ने बताया कि जयपुर में चलाए जा रहे ऑपरेशन 'आग' के तहत सीएसटी ने खोह नागोरियान थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए शोएब खान देसवानी (28) निवासी शास्त्री नगर जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। जिसके पास से एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किया है। आरोपी से पूछताछ में सामने

आया कि आरोपी अवैध हथियार कोटा से लाकर जयपुर में सप्लाई करता है।

आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स और मारपीट के तीन मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त के बारे में जानकारी कर अन्य बदमाशों को गिरफ्तार करने में लगी है।